Edu Junior
Where Passion Meets Educations

LEARN KWNIY
Where passion meets with educations

हिंदी व्याकरण

अध्याय

सर्वनाम

learnkwniy

सर्वनाम

सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

संज्ञा के बार - बार प्रयोग को रोकने के लिए उसके स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है , उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।

दूसरे शब्दों में कहे तो

सर्वनाम उस विकारी शब्द को कहते हैं , जो पूर्वापरसंबंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है । संज्ञा से जहाँ उसी वस्तु का बोध होता है , जिसका वह (संज्ञा) नाम है

learnkwnly

उदहारण

गाय कहने से केवल गाय का बोध होता है , बैल , भैंस , बकरी , पेड़ आदि का नहीं ।

रमेश ने कहा की में बीमार हूँ । (रमेश 'के स्थान पर 'मैं ')

सभी लोगों ने कहा कि हम तैयार हैं । ('लोगों के स्थान पर 'हम ')

उपरोक्त वाक्यों में में , हम सर्वनाम है ।

हिन्दी में सर्वनामों की संख्या 11 हैं, जो निम्न हैं-

मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या।

सर्वनाम के भेद

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
5. संबंधवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

learnkwniy

पुरुषवाचक सर्वनाम

"जिस सर्वनाम का प्रयोग स्त्री एवं पुरुष दोनों के लिए किया जाता है, 'पुरुषवाचक सर्वनाम' कहलाता है।"

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग बोलने वाला अपने लिए, सुनने वाले अर्थात जिससे बातें कर रहा है उसके लिए तथा उस व्यक्ति के लिए जिसके बारे में वह बात कर रहा है, प्रयुक्त करता है, वे सभी 'पुरुषवाचक सर्वनाम' कहलाते हैं;

जैसे- मैं, मेरा, मुझे, हम, हमारा, हमें, तू, मेरा, तुझे, तुम, तुम्हारा, तुम्हें, वह, वे, उन्हें, यह, ये, इन्हें आदि।।

उदहारण

मैं फिल्म देखना चाहता हूँ। (पुं०)

मैं घर जाना चाहती हूँ। (स्त्री०)

तू कहता है तो ठीक ही होगा। (पुं०)

तू जब तक आई तब तक वह चला गया। (स्त्री०)

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद है

(1) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

(2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम

(3) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

learnkwniy

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द बोलने वाला अपने लिए प्रयोग करता है, वे उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे- मैं, मेरा, हम, हमारा आदि।

उदहारण

(क) मैं घर जाऊँगा ।

(ख) हम भगवान को नहीं देख सकते ।

(ग) यह निबंध मैंने लिखा है ।

(घ) मुझे सिनेमा देखना नहीं पसंद ।

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम

बोलने वाले के द्वारा सुनने वाले के लिए जिस सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है उसे मध्यम पुरूष कहते हैं; जैसे- तुम, तू, आप।

उदहारण

(1) तू कुछ बोल देता

(2) तुम अब बोल सकती हो ।

(3) तुम्हें कुछ कहना बेकार है ।

(4) आप मेरे गुरु है ।

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम का प्रयोग उसके लिए हो जिसके विषय में कुछ कहा जाता है; जैसे- वह, वे, उसे आदि।

learnkwniy

उदहारण

(1) वह कत खेतने नहीं आया था ।

(2) वे नहीं आयेंगे ।

(3) उसे कल बुला लेना ।

(4) उन्हें जाने दो ।

निश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द पास या दूर की किसी निश्चित वस्तु की ओर संकेत करे, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते है; दूर के लिए वह का प्रयोग होता है, जबकि पास के लिए यह का प्रयोग होता है।

दूसरे शब्दों में-

सर्वनाम के जिस रूप से हमें किसी बात या वस्तु का निधत रूप से बोध होता है ,उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं । जैसे- यह ,वह आदि ।

उदाहरण

(1) यह कोई नया काम नहीं है ।

(2) रोटी मत खाओ

(3)यह मेरी कार है।

(4)वह तुम्हारी साइकिल है।

learnkwniy

निक्ष्यवाचक सर्वनाम दो प्रकार का होता है

(1) दूरवर्ती निचयवाचक सर्वनाम

(2) निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम ।

दूरवर्ती निक्षयवाचक सर्वनाम

जो शब्द दूर वाली वस्तुओं की ओर निश्चित रूप से संकेत करते हैं उन्हें दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

जैसे- वह मेरी पेन है ।

वे किताब है ।

इसमें वह और वे दूर वाती वस्तुओं का बोध करा रहे है ।

निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम

जो शब्द निकट या पास वाली वस्तुओं का निश्चित रूप से बोध कराये उन्हें निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं ।

जैसे - यह मेरी पैन है ।

ये मुझे बहुत पसंद है ।

इसमें यह और ये निकट वाली वस्तु का बोध करा रही है ।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

वह सर्वनाम, जो किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं कराए, 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' कहलाता है।"

दूसरे शब्दों में-

जिस सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु का बोध न हो , उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं । " अर्थात जो सर्वनाम ऐसे व्यक्ति या पदार्थ का बोध कराये जिसका निश्चय न हो पाये । जैसे- कोई , कुछ आदि ।

(1) दूध में कुछ पड़ा हुआ है।

(2) बाहर कोई बुला रहा है।

(3) कोई आया था

(4) ऐसा न हो कि कोई आ जाए ।

(5) बैग में कुछ नहीं है ।

संबंधवाचक सर्वनाम

learnkwniy

जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध स्थापित किया जाए , उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं

दूसरे शब्दों में-

सर्वनाम शब्द दो भिन्न-भिन्न बातों में संबंध जोड़ने का काम करते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जो, जिसकी, जैसा आदि।

उदाहरण-

(1) जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

(2) जो सोता है, वो खोता है।

learnkwniy

प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों का प्रयोग प्रश्न करने के लिए होता है , उन्हें प्रशनवाचक सर्वनाम कहते है ।

दूसरे शब्दों में-

जिस सर्वनाम शब्द से किसी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु या क्रिया-व्यापार आदि के विषय में प्रश्न का बोध होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। प्रश्न किसी व्यक्ति या प्राणी के संबंध में हो तो कौन या किसे का प्रयोग किया जाता है अथवा 'क्या' का प्रयोग होता है।

उदाहरण

(1) कौन हे दरवाजे पर ?

(2) कौन आया था ?

(3) तुम क्या खा रहे हो ?

(5) क्या चाहते हो ?

(6) तुम क्या लाये हो ?'

निजवाचक सर्वनाम

"जिस सर्वनाम का प्रयोग कर्ता कारक स्वयं के लिए करता है, उसे 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं।'

दूसरे शब्दों में-

जिन सर्वनामों का प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं

learnkwniy

इसके अंतर्गत आप, स्वयं, खुद, स्वतः आदि आते हैं?

उदाहरण

(1) हम आप कर लेंगे ।

(2) तुम आप देख लोगे ।

आप कहाँ से आ रहे हैं?